(DHIND 01)

M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER 2019.

First Year

Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

Time : Three hours Maximum : 70 marks

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

$(5 \times 14 = 70)$

1. वीरगाथा काल की साहित्यिक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

2. मपृथ्वीराज रासोफ काव्य की प्रामाणिकता पर प्रकाश डालिए।

3. निर्गुण भक्त कवि के रूप में कबीर दास का परिचय दीजिए।

4. कृष्ण भक्त कवि के रूप में सूरदास का परिचय दीजिए।

5. बिहारीलाल की काव्य–कृतियों का परिचय दीजिए।

6. राष्ट्र कवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त का परिचय दीजिए।

7. छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

8. हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

9. खण्ड काव्य और महाकाव्य के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

10. किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए।

    (a) जयशंकर प्रसाद।

    (b) तुलसी दास।

    (c) जायसी।

    (d) हरिवंशराय बच्चन।

(DHIND 02)

M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER 2019.

First Year

Hindi

THEORY OF INDIAN AND WESTERN LITERATURE

Time : Three hours Maximum : 70 marks

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. रस की अवधारणा के स्पष्ट करते हुए भरत के रस–सूत्र को समझाइए।

2. ध्वनि संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उसके प्रकारों को समझाइए।

3. काव्य में अलंकार का स्थान निरूपित कीजिए।

4. औचित्य संप्रदाय की मान्यताओं का उल्लेख करते हुए अन्य संप्रदायों की तुलना में उसकी विशेषताओं का उद्‌घाटन कीजिए।

5. शब्द–शक्ति से क्या अभिप्राय है? उसके कितने भेद हैं? किसी एक भेद का विवरण दीजिए।

6. अरस्तु के काव्य सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

7. प्लेटो के काव्य–सिद्धांतों का परिचय दीजिए।

8. आई.ए. रिचर्डस के मूल्य सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

9. मार्क्सवादी आलोचना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

    (a) महाकाव्य।

    (b) उपन्यास के तत्व।

    (c) मुक्तक काव्य।

    (d) आत्मकथा।

(DHIND 03)

M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER 2019.

First Year

Hindi

OLD AND MEDIEVAL POETRY

Time : Three hours Maximum : 70 marks

प्राचीन एवं मध्य युगीन काव्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $(4 \times 14 = 56)$

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) गुरु गोविन्द तो एक है दूजा यहु आकार।

आप मेरि जीवित मरै तो पावै करतार।।

(b) कबीर सुमिरण सार है सकल जंजाल।

आदि अंत सब सोधिया दूजा देखौ काल।।

(c) सरवर तीर पदुमिनी आई। खोंपा छोरी केस मोर काई।

ससिमुख अंग मलैगिरि रानी। नागन्ह झाँपि लीन्ह अर धानी।

ओ नए मेघ परी जग छाहा। ससि की सरन लीन जनु राहाँ।

छपि गैं दिनहे भानु कै दशा। लै निसि लखुत चाँद परगसा।

भूलि चकोर दिस्ट तहँ लावा। मेघ घटा महँ चाँद देखावा।

दसन दामिनी कोकिल भाषी। भौंहे धनुक गगन लै राखी।

नैन खंजन दुई केलि केरे हीं कुच नारँग मधुकर मरसफ लेहीं।।

(d) मन अति भयो हुलास बिगसि जनु कोक किरन रवि।

अरुन अधर तिथ सघर, बिंबफल जानि कीर छवि।।

यह चाहत चष चकित, उहजु तक्किय झरफि झर।

चंच चहुट्टिय लोभ, लियौ तब गहित अप्प कर।।

हरषत आनंद मन महि हुलास, लै जु महल भीतर गई।

पंजर अनूप नग मनि जटि तू, सोतिहि मँह रष्षत भई।।

(e) आयो घोष बड़ो व्यापारी।

लाद खेंप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आय उतारी।।
फाटक दै कर हाटक माँगत भौरे निपट सुधारी।
धुर ही तैं खोटो खायो है लिए फिरत सिर भारी।।

(f) राम नाम हित नर तनु धारी। सहि संकट किए साधु सुखारी।।
नामु सप्रेम जपत अनयासा। भगत होहि मुद मंगल बासा।।
राम एक तापस तिय तारी। नाम कोटि खल कुमति सुधारो।।
रिषि हित राम सुकेतु सुता की। सहित सेन सुत किन्ही बिबा की।

(g) मेरी भव-बाधा हरौ राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परत, स्यामु हरति दुति होइ।।

(h) लाख लाख भाँतिन की दुसह दसनि जानि,
साहस सहारि सिर आरे लौ चलाय हौ।
ऐसे घनानंद गहि है टेक मन माहिं;
ऐसे निरदई! तोहि दया उपजाय हौं।।

2. विद्यापति की गीतयोजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. समाज-सुधारक के रूप में कबीर का परिचय दीजिए।

4. ममध्यकालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकालफ विषय पर एक लेख लिखिए।

5. मरामचरितमानसफ के मबालकांडफ की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

6. सूरदास की भक्ति-पद्धति को सोदाहरण समझाइए।

7. बिहारी की अभिव्यंजनागत कौशलता की समीक्षा कीजिए।

8. कबीर के काव्य में वर्णित गुरू-महिमा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

9. घनानंद के काव्य के कला-पक्ष की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

10. जायसी कृत मपद्मावत्फ में अभिव्यंजित प्रेम-भावना का परिचय दीजिए।

(DHIND 04)

M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER 2019.

First Year

Hindi

HINDI PROSE — DRAMA, NOVEL, STORIES AND ESSAY

Time : Three hours Maximum : 70 marks

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

$(4 \times 3\ ½ = 14)$

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। $(4 \times 14 = 56)$

(a) वह अपना रूप और यौवन उन्हें न दिखाना चाहती थी, क्योंकि वे देखनेवाली आँखें न थीं। वह उन्हें इन रसों का आस्वादन करने के योग्य ही न समझती थी।

(अथवा)

(b) मात्रु-प्रेम में कठोरता होती थी, लेकिन मृदुलता से मिली हुई। इस प्रेम में करूणा थी, पर वह कठोरता न थी, जो आत्मीयता का गुप्त संदेश देती है। स्वस्थ अंग की परवाह कौन करता है? लेकिन वह अंग जब किसी वेदना से टपकने लगता है, तो उसे ठेस और धक्के से बचाने का यत्न किया जाता है।

(c) राज्य किसी का नहीं है। सुशासन का है। जन्म भूमि के भक्तों में आज जागरण है। देखते नहीं, प्राच्य में सूर्योदय हुआ है।

(अथवा)

(d) भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ।

(e) आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठता में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सहने के निश्येष्ट साध्स में नहीं। धृति और साहस दोनों का उत्साह के बीच संचरण होता है।

(अथवा)

(f) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। जब पूज्य भवा की वृद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामीप्य-लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों में साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए।

(g) बेटा! यह कुटुंब एक महान वृक्ष है। हम सब इसकी डालियाँ हैं। डालियों से पेड़, पेड़ है ..... और डालियाँ छोटी हों या चाहे बड़ी, सब उसकी छाया बढ़ाती हैं। मैं नहीं चाहता, कोई डाली इससे टूटकर पृथक हो जाय।...

(अथवा)

(h) मनुष्य मृत्यु को असुन्दर ही नहीं, अपवित्र भी मानता है, उसके प्रियतम आत्मीयजन का शव भी उसके निकट अपवित्र, अस्पृश्य और भयानक हो उठता है।

2. मचन्द्रगुप्तफ के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
3. नाटक के तत्वों के आधार पर मचन्द्रगुप्तफ नाटक की समीक्षा किजिए।
4. मनिर्मलाफ उपन्यास का तात्विक विश्लेषण कीजिए।
5. नारी समस्याओं की अभिव्यक्ति की दृष्टि से मनिर्मलाफ उपन्यास की समीक्षा कीजिए।
6. एकांकी के तत्वों के आधार पर मरीढ़ की हड्डीफ अथवा मचारुमित्राफ का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबंध-कला का परिचय दीजिए।
8. मसोनाफ रेखाचित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
9. मप्रेरणाफ अथवा मअपना-परायाफ कहानी का मूल्यांकन तत्वों के आधार पर कीजिए।
10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
    (a) तोताराम।
    (b) सिकंदर।
    (c) मपरदाफ की कथावस्तु।
    (d) चाणक्य।

(DHIND 05)

M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER 2019.

First Year

Hindi

MODERN POETRY

Time : Three hours Maximum : 70 marks

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

$(4 \times 3\ ½ = 14)$

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$(4 \times 14 = 56)$

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) दिवस का अवसान समीप या।
गगन या कुछ लोहित हो चला।
तरु शिखा पर थी अब राजती।
कपलिनी–कुल–वल्लभ की प्रथा।

(अथवा)

(b) सुना यह मनु ने मधुर गुंजार।
मधुकरी का–सा जब सानंद।
किये मुख नीचा कमल समान।
प्रथम कवि का ज्यों सुन्दर छंद।

(c) ममहै अमा–निशा; उगलता गगन घन अंधकार,
खो रहा निशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवन–भार,
अप्रतिहत गरज रहा पीछे, अम्बुधि विशाल,
भूधर ज्यों ध्यान–मग्न, केवल जलती मसाला।फ्फ

(अथवा)

(d) सैकत–शय्या पर दुग्ध–धवल,
तत्वगी गंगा, ग्रीष्म–विरल,

लेटी है श्रान्त, क्लान्त, निश्चल!

तापस-वाला गंगा निर्मल, शशि मुख से दीपित मृदु-करतल,

लहरे उर पर कोमल कुन्तल।

(e) मनुज-वंश के अश्रु-योग से जिस दिन हुआ सिन्धु-जल खारा!

गिरि ने चीर लिया निज उर, मैं ललक पडा लख जल की धारा!

(अथवा)

(f) नए युग की भवानी, आ गई वेला प्रलय की,

दिगम्बरि! बोल, अम्बर में किरण का तार बोला।

(g) किन्तु हम हैं द्वीप। हम धारा नहीं है।

स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप है स्रोतसस्विनी के।

किंतु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।

हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।

(अथवा)

(h) ममनर या कुंजरफ्फ

मानव को पशु से

उन्होंने पृथक नहीं किया

उस दिन से मैं हूँ

पशुमात्र, अंध जर्जर पशु।

2. प्रिय-प्रवास के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

3. मकामायनीफ के महाकाव्यत्व का निरूपण कीजिए।

4. ममराम की भक्ति पूजाफ्फ के भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।

5. ममनौका विहारफ्फ कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

6. ममधुर-मधुर मेरे दीपक जलफ कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. महुँकारफ के आधार पर दिनकर की क्रांति चेतना को स्पष्ट कीजिए।

8. युद्ध और शाँति की समस्या की अभिव्यक्ति की दृष्टि से मअंधा युगफ की समीक्षा कीजिए।

9. मअंधा युगफ में प्रतिपादित युद्ध और शाँति की समस्या की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

10. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

    (a) मअसाध्यवीणाफ का काव्य-सौष्ठव।

    (b) महुँकारफ में व्यक्त दिनकर की प्रगतिवादी चेतना।

    (c) मताजफ की विशेषताएँ।

    (d) मनदी के द्वीपफ का प्रतिपाद्य।

    (e) कामायनी का शीर्षक।